हवा चली!

हवा चली - अरे, क्या तेज़ हवा बही! तेज़ हवा ने छतरी को पलटा और उसे ऊंचा फेंक दिया. तेज़ हवा ने रास्ते में आने वाली सभी चीज़ों को छीना-झपटा, और चीज़ों की यह परेड आसमान में उड़ती रही. नीचे ज़मीन पर चीज़ों के मालिक उनका पीछा करते रहे, उनके पीछे दौड़ते रहे. लेकिन हवा भी कोई कम शरारती नहीं थी!

सुन्दर कविता और दिल खुश करने वाले विस्तृत चित्रों के साथ, पैट ने एक गज़ब की कहानी लिखी है, जो छोटे बच्चों को उल्लास की एक नई दुनिया में ले जाएगी.

हवा चली!

हवा चली!

उसने मिस्टर व्हाइट की छतरी छीनी और फिर
जल्दी से उसे अंदर-से-बाहर, उलट दिया.

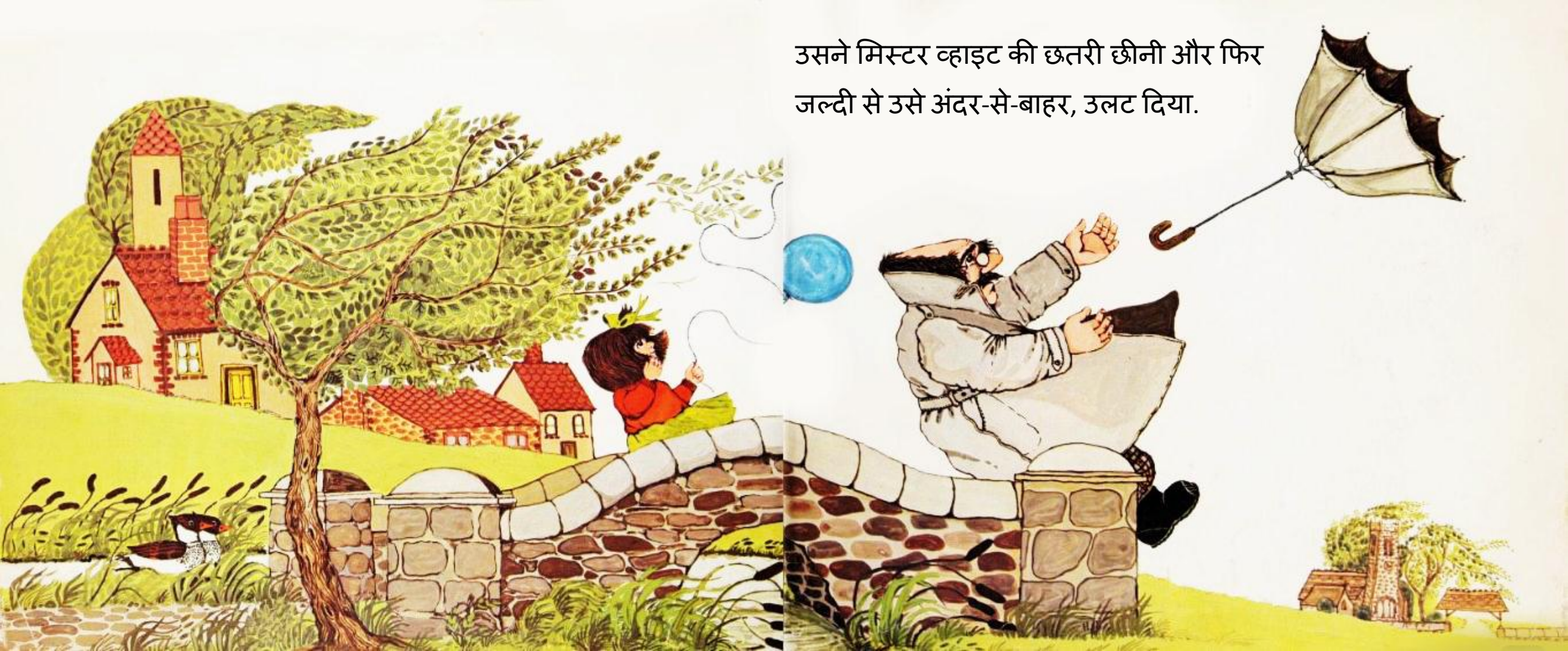

उसने छोटी प्रिसिला के हाथ का गुब्बारा छीना
और बहाकर उसे छतरी के पास ले गई.

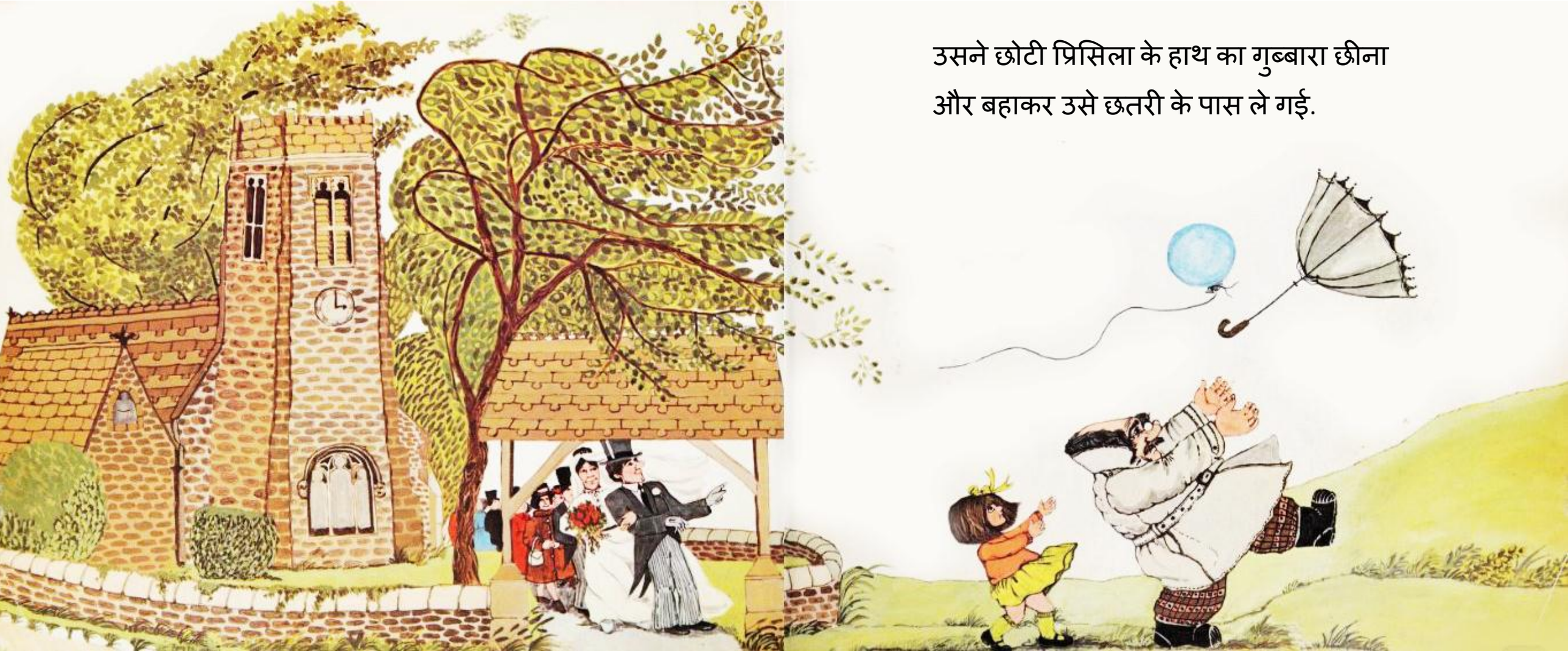

पर उससे हवा संतुष्ट नहीं हुई. फिर उसने एक टोपी छीनी, पर वो अभी भी संतुष्ट नहीं थी.

हवा ने एक पतंग को उड़ाया और
उसे गोल-गोल घुमाती रही.

उसने डोरी पर सूखती एक शर्ट को उड़ाया
और उसे ऊपर आसमान में फेंका.

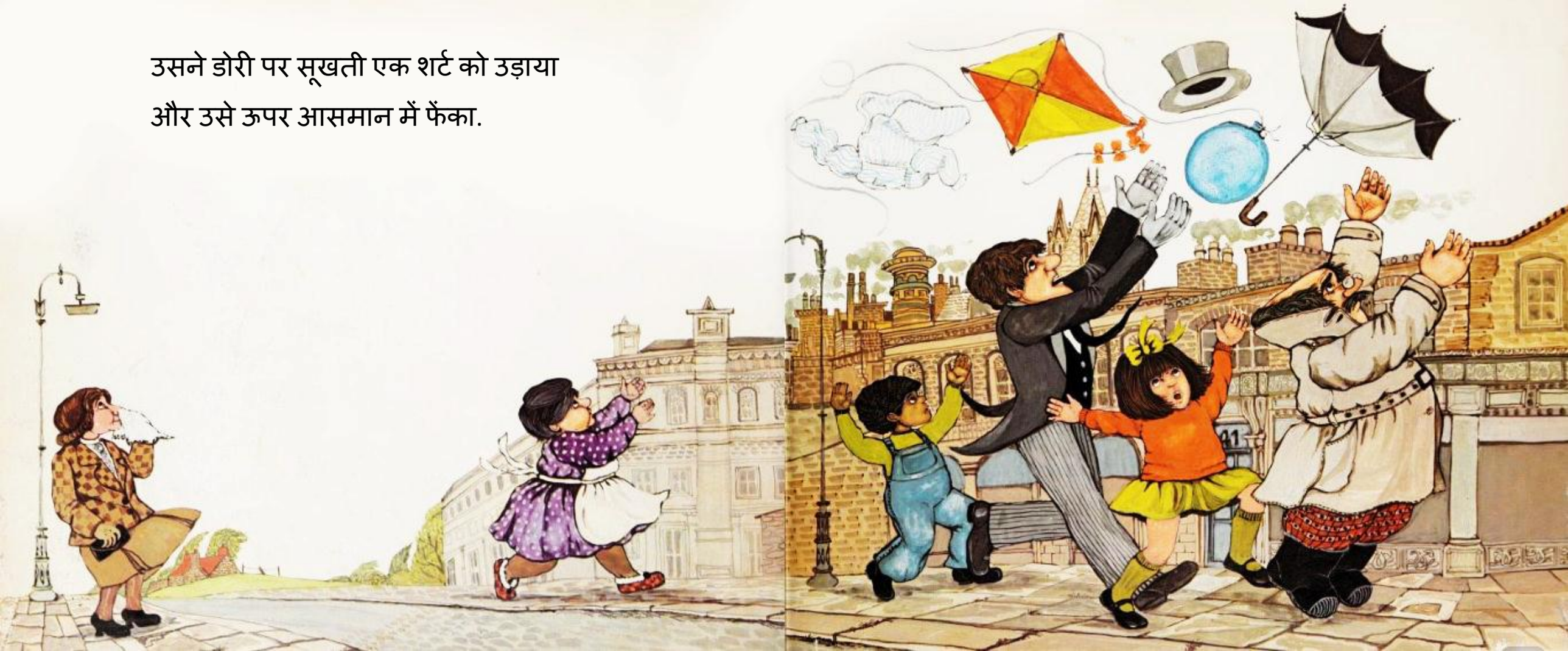

उसने छींकती नाक से एक रूमाल छीना और

उसे आसमान में ऊपर, और ऊपर उठाया!

उसने जज साहब के सिर की विग उड़ाई

और फिर उसे आसमान में उछाला.

उसने डाकिए की चिट्ठियों को ऊपर हवा में फेंका,

जैसे उसने अभी भी पर्याप्त शरारत नहीं की हो!

हवा तेज़ी से बही और उसने एक खम्बे
पर फहराता हुआ धारीदार झंडा चुराया.

उसने जुड़वा बच्चों के नए मफलर खींचे
और उन्हें अन्य चीजों के पास फेंका.

उसने अखबारों को गोल-गोल लहराया.

फिर हवा इस सब खेल से थक गई,

फिर उसने सब चीज़ों
को आपस मिलाया,

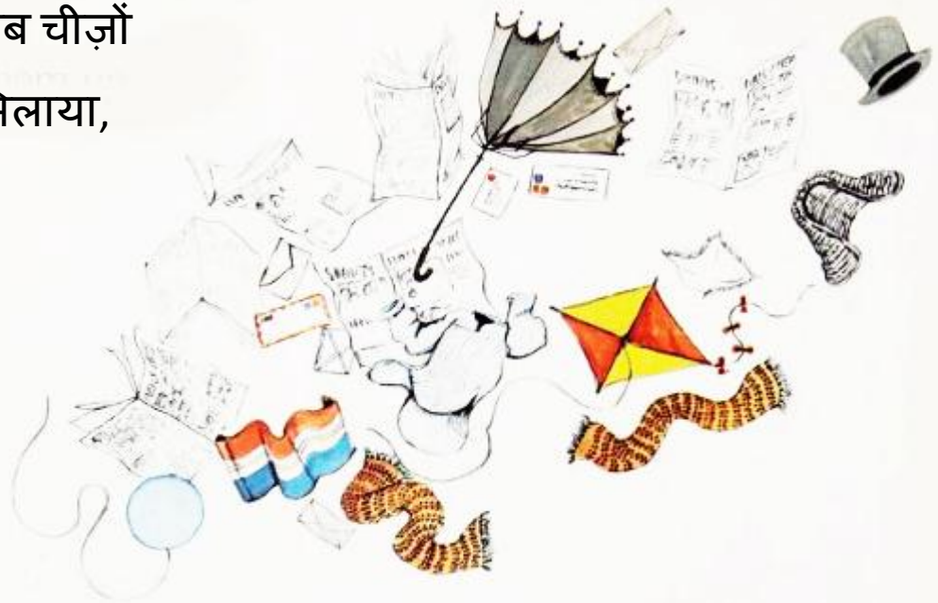

और उन्हें नीचे फेंक दिया,

फिर हवा समुद्र में उड़ गई!!

समाप्त